वार्तालाप नं.499, कलकत्ता-2, दिनांक 23.01.08
Disc.CD No.499, dated 23.01.08 at Calcutta-2

समयः 02. 20-05.05

जिज्ञासुः- बाबा बाप की प्रत्यक्षता के लिए सिर्फ ग्लानी करने से ही से होगा ना या ऐसा कोई महान कार्य कर के दिखाना पड़ेगा?

बाबा - ग्लानी करना शुरू करो तो पता चलेगा।

जिज्ञासु - हम बोले ना कि ऐसा कोई महान कार्य कर के दिखाना पड़ेगा हम बच्चों को तभी प्रत्यक्षता होगा?

Time: 02.20-05.05
Student: Baba, will the revelation of the Father take place only through defamation or will we have to perform any great task?
Baba: Start defaming, then you will know.
Student: I said: will we children have to perform any such great task and only then the revelation will take place?

बाबा -हाँ, जो बच्चे होंगे वो बाप का गायन करेंगे, महिमा करेंगे और जो बच्चे नहीं होंगे वो ग्लानी करेंगे। दोनों में संघर्ष होगा और जो सच्ची बात होगी सो ही प्रत्यक्ष होगी। सच्चाई जो है वो आखरीन सर के ऊपर चढ़कर के बोलती है। ये नहीं देखा जाता कि सच्चे कितने हैं और सच्चे कितने लोग बोलते हैं। भले मुट्ठी भर पाण्डव हो लेकिन अगर उन पाँच पाण्डवों की बात में सच्चाई हैं तो सच्चाई भले वर्तमान में दबा ली जाये और दबाता ही रहे और एड़वान्स पार्टी और एड़वान्स पार्टी के मुखिया और उनके फालोअर्स आदि से लेकर के अंत तक अभी भी दबाये जाते हैं, दबाये जा रहे हैं, समाज के द्वारा दबाये जा रहे हैं, परिवार के द्वारा दबाये जा रहे हैं, माँ-बाप के द्वारा दबाये जा रहे हैं, तथाकथित ब्राह्मणों के द्वारा दबाये जा रहे हैं फिर भी वो नेस्तनाबूद नहीं हो सकते हैं। वो सत्य स्थाई रहेगा और तब तक स्थाई रहेगा जब तक वो सत्य सबके सर के ऊपर चढ़ के न बोले। कैसा बोलेगा?
Baba: Yes, those who are the [Father's] children, they will glorify the Father, [they] will praise the Father and those who are not children, [they] will defame. There will be a struggle between both of them and the truth will be revealed. Truth ultimately speaks up loudly. It is not seen how many people are true and how many people speak the truth. The Pandavas may be handful, but if there is truth in the words of those five Pandavas, then although that truth may be suppressed at present and it may be continued to be suppressed…, and the advance party, the head of the advance party and his followers etc. may be suppressed from the beginning to the end, they are being suppressed, they are being suppressed by the society, by the family, by the parents, by the so-called Brahmins, still they cannot be destroyed. That truth will remain constant and it will remain constant until it speaks out loudly. How will it speak?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ऐसा बोलेगा - दुनिया तो है लोकलाज के अंदर मरने वाली। क्या? बड़े-बड़े गुरू लोगों से लेकर के और जो भी फालोअर्स भक्त हैं बड़े-बड़े वो सब लोकलाज में मरते हैं। ब्राह्मणों की दुनिया में भी गुरू बैठे हुए हैं वो सब लोकलाज में मरने वाले हैं। सच्चाई के पीछे मरने वाले नहीं हैं। जो दुनिया भस्म होने वाली हैं उस भस्म होने वाली दुनिया की लोकलाज उनको ज्यादा रहती हैं इसलिए वो सच्चाई को पकड़ नहीं सकते। लेकिन आखरीन शरीर तो छोड़ते हैं। कुमारका दादी ने, जगदीश भाई ने आखरीन शरीर तो छोड़ा। छोड़ा या नहीं छोड़ा? शरीर छोड़ने के बाद लोकलाज रह जाती हैं या लोकलाज के बंधन से आत्मा मुक्त हो गई? मुक्त हो गई। जब आत्मा मुक्त हो जाती हैं तो सच्चाई को जान लेती हैं और सच्चाई के ऊपर स्वतंत्रता पूर्वक चलने के लिए स्वतंत्र हो जाती हैं। फिर किसी के बंधन में नहीं हैं। वही आत्मायें कोई के भी शरीर में प्रवेश होकर के फिर उनके सर पर चढ़ के बोलती हैं।

It will speak like this: the world is going to die fearing for public honour. What? From big gurus, to their followers, the great devotees, all of them die for public honour. Even in the world of Brahmins there are gurus; all of them are going to die for public honour. They are not going to die for truth. The world is going to burn to ashes. They are more worried about the public honor of the world that is going to burn to ashes ; this is why they cannot catch the truth. But ultimately they leave their body. Ultimately, Kumarka Dadi, Jagdish bhai did leave their body. Did they leave or not? After leaving the body, does the public honour remain or does the soul become free from the bondage of public honour? It became free. When the soul becomes free, then it knows the truth and it becomes free to follow the truth. Then it is not under the bondage of anyone. The same souls enter the bodies of someone and speak out (the truth) through them.

समयः 05.15-05.50

जिज्ञासुः- बाबा चैतन्य गंगा पहले आयेंगे या वेदान्ती माता पहले आयेंगे?

बाबा - विष्णु की पालना पहले होगी, विष्णु की पालना पहले होगी या जो सर्विसेबुल बच्चे हैं वो सर्विस पहले करेंगे? पहले सर्विस आयेगी, सेवाधारी आयेंगे नम्बरवार उसके बाद विष्णु की पालना होगी।

Time: 05.15-05.50

Student: Baba, will the living Ganga come first or will mother Vedanti come first?

Baba: Will sustenance by Vishnu take place first or will the serviceable children do service first? First service will take place and number wise *sevadharis* will come and then sustenance will take place through Vishnu.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

पुणे -2, (महाराष्ट्र) दिनांक 04.02.08

Pune-2, (Maharashtra) Dt. 04.02.08

समयः 07.35-11.20

जिज्ञासुः- ज्ञान में आने के बाद कोई भी विकर्म करते हैं तो 100 गुना पाप चढ़ता हैं।

बाबा - बिल्कुल।

जिज्ञासु - कोई अच्छे कर्म करते हैं तो 100 गुना पुण्य चढ़ता हैं क्या?

बाबा - जो अच्छा कर्म कर रहे हैं अभी। वो तामसी आत्मायें अच्छा कर्म करती ही नहीं हैं। क्या? भूल जाओ। क्या? कि जो तामसी आत्मायें 5000 हजार साल पुरानी हैं वो सबसे जास्ती तामसी हैं। जो सबसे जास्ती तामसी हैं उनको लौव लगी हुई है, तात लगी हुई है। अच्छा कर्म करने की तात नहीं लगी रहती। अपने दिल को झाँक के देखो। नहीं समझ रहे हैं। झाँक रहे हैं कि नहीं झाँक रहे हैं? अच्छा काम करने की तात लगी रहती हैं या जो बाबा ने खराब काम बताये है उस की तात लगी रहती हैं? अरे, जो तमोप्रधान आत्मा होती हैं उसको खराब काम करने की तात लगी रहती हैं और जो सतोप्रधान आत्मा होती हैं उसको अच्छा काम करने की तात लगी रहती हैं। तो हम अपने दिल से पूछें दिल के अंदर जो बाबा मुरली में प्रश्न पूछते हैं सतोप्रधान सतयुग के वासी हो, शिवालय के वासी हो या वैश्यालय के वासी हो? अपने दिल से पूछो हम कहाँ के वासी हैं व्याभिचारी दुनिया के वासी हैं या अव्याभिचारी सतोप्रधान सतयुग के वासी हैं? हम सतयुग के वासी हैं?

Time: 07.35-11.20

Student: If we perform any opposite action after coming to the knowledge, then we accumulate 100 times sins.

Baba: Definitely.

Student: If someone performs good actions, do they accumulate 100 times merit?

Baba: Those who are performing good actions now; those degraded souls do not perform good actions at all. What? Forget it. What? That the 5000 year old degraded souls are the most degraded ones. The most degraded ones are busy (in performing wicked actions). They are not interested in performing good actions. Peep into your own heart and see. Are you not able to understand? Are you peeping (into your heart) or not? Do you feel like performing good actions or do you feel like doing the bad things which Baba has enlisted? Arey, the degraded soul has interest in performing bad actions and the pure soul has interest in performing good actions. So, let us question ourselves: the thing which Baba asks us in the Murlis, Are you *satopradhan* residents of the Golden Age, are you residents of the *Shivalay* or are you residents of a brothel? Ask your heart, we are residents of which place? Are we residents of the adulterous world or are we the residents of the un-adultered, *satopradhan* Golden Age? Are we residents of the Golden Age?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु - बाबा अभी जाना चाह रहे हैं ना।

बाबा - वासी अभी कहाँ के हैं? मन-बुद्धि ज्यादा तर खींचती कहाँ हैं?

जिज्ञासु - वो तो यहाँ

बाबा - वही तो अपने दिल से पूछो ना। बाबा तो कहते हैं - पहले अपने दिल से पूछो फिर दुनिया वाले से पूछो। नर्क के वासी हो या स्वर्ग के वासी हो कहाँ के वासी हो?

जिज्ञासु - नर्क के वासी बाबा। बाबा संगमयुग में कोई अच्छे कर्म नहीं करते हैं क्या कोई?

बाबा - अभी तो बताया कि जो भी इस समय अच्छा काम कराने वाला हैं वो कौन हैं? बापदादा। बापदादा जो हैं वो हम बच्चों के द्वारा अच्छे काम करा रहा हैं और हमारी आत्मा तो कितनी पुरानी है?

जिज्ञासु- 5000 हजार साल पुरानी।

बाबा – 5000. तो तमोप्रधान है या सतोप्रधान?

जिज्ञासु- तमोप्रधान।

बाबा - तो तमोप्रधान आत्मा क्या करेगी?

जिज्ञासु - तमोप्रधान।

बाबा - तमोप्रधान ही कार्य करेगी।

Student: Baba, we wish to go (to the Golden Age), don't we?
Baba: You are the residents of which place now? Where is your mind and intellect pulled ?
Student: It is here……..
Baba: That is what you ask your heart. Baba says : First ask your heart, then ask the people of the world. Are you residents of hell or residents of heaven? You are residents of which place?
Student: Residents of hell, Baba. Baba, does nobody perform any good action in the Confluence Age?
Baba: Just now it was said: who enables us to perform good actions at this time? Bapdada. Bapdada is making us children do good actions. And how old is our soul?
Student: 5000 years old.
Baba: 5000. So, is it *tamopradhan* or *satopradhan*?
Student: *Tamopradhan*.
Baba: So, what will a *tamopradhan* soul do?
Student: *tamopradhan* deed.
Baba: It will perform *tamopradhan* deeds itself.

जिज्ञासु - तो फिर रामवाली आत्मा सतोप्रधान कैसे बनती है अगर तमोप्रधान है?

बाबा - माना तुम भूल जाते हो उसमें शिव है। तुम ये भूल जाते हो कि रामवाली आत्मा में शिव भी होता हैं।

जिज्ञासु - नहीं-नहीं। हम तो तमोप्रधान काम करते हैं तो फिर हमारी आत्मा सतोप्रधान कैसे बनती हैं?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा - बापदादा नहीं हैं? ब्रहमा की आत्मा, मम्मा-बाबा जो है वो बच्चों में प्रवेश कर के अच्छा काम नहीं करा रहे हैं?

जिज्ञासु - वो भी तमोप्रधान हैं ना।

बाबा - तमोप्रधान हैं लेकिन ज्यादा याद इस समय किसमें हैं? गुल्जार दादी में जब प्रवेश भी होता है तो उनको हमारे मुकाबले ज्यादा याद होती है या कम याद होती है? ज्यादा याद होती है। ऐसे नहीं है। हाँ, ज्ञान को उतना नहीं समझ रहे हैं। ज्ञान का मुख्य प्वाइन्ट उनके बुद्धि में नहीं बैठ रहा है कि गीता का भगवान कृष्ण नहीं है, गीता का भगवान शिव शंकर भोलेनाथ है। ये बात उनकी बुद्धि में नहीं बैठ रही है।

Student: So, then how does the soul of Ram become *satopradhan* if it is *tamopradhan*?
Baba: So, it means you forget that Shiv is present in him. You forget that Shiv is also present in the soul of Ram.
Student: No, no. We perform actions, then how does our soul become *satopradhan*?
Baba: Is there not Bapdada? Are the souls of Brahma, Mamma-Baba not entering children and making them do good actions?
Student: They too are *tamopradhan*
, aren't they?
Baba: They are *tamopradhan*, but who remembers more at this time? Even when he enters Gulzar Dadi, does he remember (Baba) more when compared to us or is his remembrance less? He remembers more. It is not so…. Yes, he does not understand the knowledge to that extent. The main point of knowledge is not sitting in his intellect that Krishna is not God of the Gita, and that God of the Gita is Shiv Shankar Bholenath. This is not sitting in his intellect.

समयः 14.11-14.56

जिज्ञासुः- बाबा, बाबा ने बोला है कि तुम बच्चों को सेवा करने के लिए इस शरीर का आधार छोड़ना होगा। दूसरे तन में प्रवेश कर के सेवा करते रहेंगे। क्या ये शरीर छोड़ना पड़ेगा हमको?

बाबा - ये किसने कहा?

जिज्ञासु - बाबा बोले ना एक में।

बाबा - तो शरीर में रहते क्या हम शरीर को अलग, अपनी आत्मा को अलग नहीं देख सकते? ऐसी याद पक्की हो जाये कि जो शरीर अलग नज़र आये जैसे रात में सो जाते हैं। आत्मा चारों तरफ भ्रमण करती हैं। शरीर तो वहीं पड़ा रहता है। तो ऐसे ही जागृत अवस्था में ऐसी बीजरूपी स्टेज बन जाये कि हम अपनी आत्मा बिंदु को भी देखे और शरीर भी पड़ा हुआ देखे। प्रवेश कर के दूसरों का काम कर के वापस आ जायेंगे अपने शरीर में।

Time: 14.11-14.56
Student: Baba, Baba has said that you children will have to leave the support of this body to do service. We will be entering the body of another person and do service. Will we have to leave this body?
Baba: Who said this?
Student: Baba has said in one (Murli).

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: So, can't we see the body and our soul separately while being in the body? If our remembrance becomes so firm that the body appears separate, just as we sleep in the night. The soul travels everywhere. The body certainly remains there. So, similarly, we should develop such seed-form stage in the conscious stage that we should see our soul, the point as well as the body lying down. We will enter (others), do their task and come back to our body….(to be continued)

समयः 00.01-02.25

जिज्ञासुः- स्वर्ग का वर्सा बाप से मिलना है, बाप की प्रत्यक्षता 76 में हुई है। बाप बाप के रूप में 76 में प्रत्यक्ष हुए। तो 76 के पहले जो भी ब्राह्मण आत्माओं ने शरीर छोड़ा है, तो उनको वर्सा कैसे मिलेगा?

बाबा- वो दुबारा जन्म नहीं लेंगे? नहीं लेंगे?

जिज्ञासु - लेंगे। दुबारा जन्म लेंगे?

बाबा - सब लेंगे?

जिज्ञासु - सिर्फ ब्राह्मण आत्माओं के लिए।

बाबा - ब्रह्मा को ब्राह्मण कहेंगे कि नहीं कहेंगे?

जिज्ञासु - कहेंगे। 76 से पहले।

बाबा - हाँ- हाँ, 76 से पहले जिन बच्चों ने शरीर छोड़ा उनमें ब्रह्मा, भाऊ विश्वकिशोर बहुत सी आत्मायें जिन्होंने शरीर छोड़ा, तो वो वर्सा नहीं लेंगी?

Time: 00.01-02.25
Student: The inheritance of heaven is to be received from the Father; the revelation of the Father took place in (19)76. The Father was revealed in the form of a father in (19)76. So, how will the Brahmin souls who left their body before (19)76 receive the inheritance?
Baba: Will they not be born again? Will they not?
Student: They will. Will they be born again?
Baba: Will everyone be (reborn)?
Student: Only the Brahmin souls.
Baba: Will Brahma be called a Brahmin or not?
Student: He will be (called a Brahmin). [But] before (19)76.
Baba: Yes, yes. Among the children who left their bodies before (19)76, there were many souls like Brahma, Bhau Vishwakishore who left their body; so will they not obtain the inheritance?

जिज्ञासु - तो विश्वकिशोर भाऊ ब्रह्मा ने तो जन्म लिया नहीं, फरिश्ता बन गए?

बाबा - जन्म कोई शरीर का थोड़े ही लिया। उन्होंने कोई शरीर का जन्म थोड़े ही लिया।

जिज्ञासु - आकारी हैं।

बाबा - हाँ, आकारी हैं। वो आकारी से किसी में प्रवेश कर के पार्ट बजाए रहे हैं।

जिज्ञासु - लेकिन जिन्होंने शरीर के द्वारा जन्म लिया होगा?

बाबा - हाँ, वो तो वर्सा लेंगे।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु - गैरन्टी है वो ज्ञान में आयेंगे?

बाबा - बिल्कुल गैरन्टी है।

जिज्ञासु - वो बेसिक में से भी एड़वान्स में आयेंगे आगे?

बाबा - बेसिक में आये ना आये, आ भी सकते अधूरा ज्ञान रह गया होगा तो बेसिक में दुबारा आयेंगे। (किसी ने कुछ कहा) जैसे रामवाली आत्मा है - यज्ञ के आदि में थी, फिर शरीर छोड़ दिया। सीता वाली आत्मा है - आदि में थी, शरीर छोड़ दिया। जगदम्बा वाली आत्मा है - यज्ञ के में आदि में थी, शरीर छोड़ दिया। फिर दुबारा ज्ञान बेसिक में आती कि नहीं? आती है। हाँ, एड़वान्स ज्ञान अगर ले लिया और फिर शरीर छोड़ दिया तो ये सर्टन है दुबारा शरीर लेकर उनको ज्ञान में आना ही पड़ेगा। क्योंकि लक्ष्य मिला हुआ है जिंदगी का। क्या लक्ष्य मिला है? नर से नारायण बनना है।

Student: So, Vishwakishore bhau [and] Brahma were not born [again] , they became angels……

Baba: He was not born physically. He was not born physically.

Student: He is subtle.

Baba: Yes, he is subtle. He is playing a part in a subtle form by entering someone.

Student: But those who are born through a body?

Baba: Yes, they will obtain the inheritance.

Student: Is there any guarantee that they will come to the knowledge?

Baba: There is certainly a guarantee.

Student: Will they come from the basic to the advance party?

Baba: Whether they enter basic (knowledge) or not, they may come (in basic knowledge); if the knowledge was incomplete, they will come again into basic (knowledge). (Someone said something) For example, the soul of Ram, he was present in the beginning of the *yagya* and then left his body. There is the soul of Sita, she was present in the beginning; she left her body. There is the soul of Jagdamba; she was in the beginning of the yagya; she left her body; does she not come back to the basic knowledge? She does. Yes, if they have obtained advance knowledge and then left their body, then it is certain that they have to be born again and enter the path of knowledge because they have received the goal of the life. What is the goal that they have received? They have to change from a *nar* (man) to Narayan.

समयः 02.50-10.00

जिज्ञासुः- बाबा हरी तुलसी आँगन में ही क्यों रखी जाती है?

बाबा - ये भक्तिमार्ग में सब बातें बनाए ली हैं। पौधा जड़ पौधे की बात थोड़े ही है। लेकिन संगमयुग में जो हुआ है उसको जड़त्व की बातों में ठोक दिया है। तुलसी के दो प्रकार के पौधे होते हैं- एक होता है हरे पत्ते वाला और एक होता है काले पत्ते वाला। जो काले पत्ते वाला है वो जंगल में ही फलता-फूलता है। और जो हरे पत्ते वाली तुलसी है वो घर में फलती-फूलती है। तो उस जड़ पौधे की बात नहीं हैं। वास्तव में ऐसी दो आत्माओं की बात हैं जिन्होंने भगवान का साथ तो दिया परंतु पूरा साथ नहीं दे पाया। उनमें भी एक ने लम्बे समय तक साथ दिया, निभाया और दूसरी ने निभा ही नहीं पाया, बहुत थोड़े ही समय

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

निभाया, बाद में फिर काँटों के जंगल में चली गई। उन दोनों का नाम रखा गया है सरस्वती और यमुना। माना जगदम्बा और यमुना नदी।

Time: 02.50-10.00

Student: Baba, why is green Tulsi (the holy basil plant) kept in the courtyard of the house?

Baba: These things have been made up in the path of *bhakti*. It is not about the non-living plant. But whatever has happened in the Confluence Age has been imposed upon the non-living things. There are two kinds of plants of Tulsi: One has green leaves and the other has black leaves. The one with black leaves grows in the forests. And the one with green leaves grows and flourishes in the houses. So, it is not about that non-living plant. Actually, it is about two such souls who did cooperate with God, but could not cooperate with Him completely. Among them one cooperated with Him and maintained the relationship for a long time and the other could not maintain at all; she maintained the relationship for a very short period and later on went into the jungle of thorns. Both of them have been named Saraswati and Yamuna, meaning Jagdamba and the river Yamuna.

यमुना सुर्यपुत्री कही जाती है। पहले-पहले निकलती है यमुना। यज्ञ के आदि में भी जब सतसंग शुरू हुआ था तो पहले-पहले एक भंगिन आती थी और भरी सभा में बाबा के सामने, बाबा के पास आकर के गले से लिपट जाती थी। भाँकी पहन ले लेती थी। थोड़े दिनों के बाद उसके घर वाले आये उनका तो जबरदस्त समाज होता है और ले गये। दुबारा आई नहीं। तो जो आदि में हुआ सो अंत में एड़वान्स पार्टी जब शुरू होती है तो भी होता है। पहले-पहले वो निकलती है। जब राम की बरात निकलती है या शंकर की बरात निकाली जाती है तो आगे-आगे कौन चलती हैं? नहीं मालूम? महाकाली। औरों-औरों को पीछे दिखाया जायेगा लेकिन आगे-आगे महाकाली को दिखाया जाता हैं। तो एड़वान्स में भी पहले आदि में निकलती है और बेसिक में भी आदि में निकलती है। परन्तु निकलती है लेकिन जन्म-जन्मान्तर की कमजोरी होने के कारण फिर दूसरों के प्रभाव मे आ जाती है। तो वो हो गई काली तुलसी जो थोड़े समय के लिए निकलती है बाद में काँटों के जंगल में चली जाती है। दूसरी है जो निकलती भी है, संबंध जोड़ती भी है, मिलन-मेला मनाती भी है, लेकिन निभाती भी है। लम्बे समय तक निभाती है और सबसे जास्ती मिलन-मेला मनाती है। तो उसकी यादगार में देवी की मेला सबसे जास्ती बड़ा मेला माना जाता है। वो है हरित तुलसी क्योंकि भगवान के घर की शोभा रही है। लेकिन आखरीन माया उसको भी पछाड़ देती है। इसलिए मुरली में बोला मेरे साथ रहने वाले बच्चे मेरे को पूरा नहीं पहचान पाते। अगर पूरा पहचान लें तो छोड़ने की बात ही नहीं।

Yamuna is called *Suryaputri* (daughter of Sun). First of all Yamuna emerges. In the beginning of the *yagya* also, when the *satsang* (spiritual gathering) started, first of all a *bhangin* (a woman belonging to the community of sweepers) used to come and in front of the entire gathering, in front of Baba, she used to come to Baba and hug him. She used to hug him. After some days the members of her family came - their community is very strong and they took her away. She did not come again. So, whatever happened in the beginning happens again in the end when the advance party begins. First of all **she** emerges. When Ram's marriage party commences its journey, rather when Shankar's marriage party commences its

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

journey, who leads it? Don't you know? Mahakali. Others will be shown behind, but Mahakali is shown in the front. So, even in the advance (party), she emerges first of all in the beginning and even in the basic [knowledge] she emerges in the beginning. She does emerge, but because of her weakness since many births, she comes under the influence of others. So, she happens to be the black Tulsi, who emerges for some time and then goes into the forest of thorns. The other one emerges as well as establishes a relationship, and also enjoys the meeting; but [unlike black tulsi] she also maintains the relationship. She maintains it for a long time and enjoys the meeting for the longest period. So, in her memorial the fair (*mela*) of the *devi* (female deity) is considered to be the biggest one. She is the green Tulsi because she has been the decoration of God's house. But ultimately maya defeats her too. This is why it has been said in the Murli that the children who live with me are unable to recognize me completely. If they recognize Me completely, then there is no question of their leaving (the Father) at all.

जिज्ञासु - क्यों नहीं पहचानते?

बाबा - क्यों नहीं पहचानते?

जिज्ञासु - साथ रहने वाले बच्चे भी क्यों नहीं पहचानते?

बाबा - अरे, जितने आते हैं क्या अंत तक वो साथ देते हैं क्या? जो पहचानने वाला होगा वो छोड़ के भागेगा क्या? नहीं पहचाना तभी तो छोड़ के भागेगा। अगर पक्का पहचान लेवे, पक्की ज्ञान की पहचान बुद्धि में बैठ जावे तो कोई छोड़ेगा क्यों? धरत परिये पर धर्म न छोड़िये। तो 63 जन्मों के हिसाब-किताब है। बनी बनाई बन रही अब कुछ बननी नाय। 63 जन्मों में जिनसे-जिनसे प्रभावित हुए हैं संगमयुग में भी वो आत्मायें उनसे प्रभावित जरूर हो जाती हैं। और ये ड्रामा ऐसा बना हुआ है कि मातायें-कन्यायें ज्यादा प्रभावित होती हैं। भाई लोग उतने दूसरों से प्रभावित नहीं होते। मातायें सबसे जास्ती अपने बच्चों से ही प्रभावित हो जाती हैं। तो वो तो जगदम्बा है। जितनी भी मातायें हैं उन सबकी अम्बा है। जगदम्बा कब कहा जाये? सिर्फ सूर्यवंशियों की अम्बा हो तभी ही या सूर्यवंशी, इस्लामवंशी, बौद्धिवंशी, क्रिश्चियनवंशी सबकी अम्बा हो? सारे जगत की अम्बा। जगत में कोई भी धर्म-संपद्राय ऐसा नहीं रह जाता जिसकी वो अम्बा न हो। इसलिए बच्चों का संग का रंग लगता हैं। संग का रंग लगता है इसलिए दूसरों से प्रभावित हो जाती है। एक बाप से प्रभावित होकर नहीं रह पाती। तो वो हरित तुलसी है। आँगन में रहती है। अंदर नहीं पनपती है, नहीं रहती। क्योंकि महाराजा-महारानी तो अंदर होते हैं और दास-दासियाँ कहाँ रहती हैं? बाहर रहती हैं। पूरा नहीं निभाया तो कुछ न कुछ दास-दासी का तमंगा चढ़ जाता है।

Student: Why don't they recognize?

Baba: Why don't they recognize?

Student: Why even those who live with Him don't recognize Him?

Baba: Arey! Do all those who come cooperate till the end? Will the one who has recognized leave and run away? Arey! He hasn't recognized, this is why he will leave and run away. If he recognizes firmly, if the firm realization of the knowledge fits into the intellect, then why will anyone leave [the Father]? 'You may fall dead on the ground, but you should not leave your religion' (*dharat pariye par dharm na choriye*). So, it is the karmic account of 63 births.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Whatever is pre- ordained is being enacted; nothing new is to be enacted now. Under whomsoever's influence the souls have been in 63 births, those souls will certainly be influenced by them in the Confluence Age? Moreover this drama is such that the mothers and virgins are influenced more (by others). Brothers are not influenced by others so much. Mothers are more influenced by the children. And she is Jagdamba, the mother of all the mothers. When will she be called Jagdamba? [Will she be called Jagdamba] if she is just the mother of *Suryavanshis* or if she is the mother of everyone including *Suryavanshis,* the people of Islam, Buddhists, Christians [etc]? The mother of the entire world. There will not be any religion or community left in the world whose mother she isn't. This is why she is colored by the company of the children. She is colored by the company; this is why she is influenced by others. She does not remain under the influence of one Father. Therefore, she is the green Tulsi. She stays in the courtyard. She does not grow, she does not live inside because Maharaja-Maharanis (Emperor and Empress) live inside and where do the maids and servants live? They live outside. She did not maintain the relationship completely; so she gets the title of maid or servant to some extent or the other.

समयः 16.40-18.55

जिज्ञासुः- बाबा शरीर जब बर्फ में दबे रहेंगे तब उस समय उस शरीर में आत्मा नहीं रहती।

बाबा- तो।

जिज्ञासु - तो वो शरीर जड़ हो जायेगा ना।

बाबा - जड़ काहे के लिए हो जायेगा? (जिज्ञासू कुछ बोल रहा है) जब आत्मा प्रवेश करेगी तो चैतन्य बनेगा ना।

जिज्ञासु - नहीं। जब कंचनकाया बनने से पहले उसमें से जब आत्मायें निकल जायेगी शांतिधाम में तब वो शरीर जड़ बन जायेगा ना।

बाबा - ठीक है।

Time: 16.40-18.55
Student: Baba, when the bodies are buried under ice, the soul will not be present in the body.
Baba: So ?
Student: So, that body will become inert, will it not?
Baba: Why will it become inert? (The student is saying something) When the soul enters, it will become a living thing, will it not?
Student: No. Before it becomes *kanchankaya* (deity-like body), when the souls go out from the body to the abode of peace (*shantidham*), that body will become inert, will it not?
Baba: It is correct.

जिज्ञासु - तो जब शरीर जड़ बन जाता है तो कंचनकाया कैसे प्राप्त कर लेता है जड़ शरीर?

बाबा - जिसमें योगबल की पॉवर है वो शरीर योग से भरा-पूरा है, शरीर के पाँच तत्व योगबल से भरे-पूरे हैं तो उसके वायब्रेशन कैसे बन जाते हैं? जिस शरीर में बाप की याद समाई हुई हो और अखंड़ याद समाई हुई हो तो उसके वायब्रेशन कैसे होंगे? श्रेष्ठ वायब्रेशन होंगे या तामसी वायब्रेशन होंगे? श्रेष्ठ वायब्रेशन होंगे और श्रेष्ठ वायब्रेशन वाला शरीर। बर्फ जो है वो ऐसा पदार्थ है जिसमें जो चीज जैसी रख दो वैसी रखी रहेगी। सड़ा हुआ केला है,

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

आधा सड़ा हुआ है और आधा ठीक है ज्यों का त्यों रख दो। ज्यों का त्यों बना रहेगा। तो ऐसे ही वो शुद्ध वायब्रेशन वाला शरीर जब बर्फ में ढ़क जायेगा तो जब भी उसमें आत्मा प्रवेश करेगी। वो आत्मा ऐसा ही शुद्ध वातावरण बनायेगी।

Student: So, when the body becomes inert, then how does the inert body become *kanchankaya*?

Baba: He who has the power of *yogbal*, that body which is full of yog, when the five elements of the body are full of the power of yog, then what do its vibrations become like? How will be the vibrations of the body in which the remembrance is present, the constant remembrance of the Father is assimilated? Will the vibrations be righteous or degraded? The vibrations will be righteous and the body with righteous vibrations…; ice is such an element that anything kept in it in whatever condition will remain in the same condition. If there is a rotten banana, if it is half-rotten, and if half of it is ok, and if you keep it as it is (in ice). It will remain as it is. So, similarly, when that body with pure vibrations is covered by ice, then whenever a soul enters it, that soul will make a pure atmosphere.

जिज्ञासु - तो बर्फ में दबने की क्या आवश्यकता हैं?

बाबा - जैसे सांप [कोई] को काट लेता हैं तो सांप को काटे हुए को या तो गोबर में दबाके रखते हैं या तो बर्फ में दबाके रखते हैं और जो तांत्रिक होते हैं वो उसको जिंदा भी कर लेते हैं। क्योंकि कि बर्फ जो है वो पाँच तत्वों को ज्यों का त्यों बना के रखती है।

जिज्ञासु - गोबर में रखते हैं।

बाबा - गो का जो गोबर है वो भी पवित्र माना जाता है।

जिज्ञासु - उस से बचते हैं?

बाबा - हाँ,जी।

Student: So, where is the need to be buried in ice?

Baba: Suppose someone is bitten by a snake; then the [portion of] body bitten by a snake is covered by cow dung or he is kept in ice and the *Tantriks* (a person who does magical charms) even bring that person back to life because ice keeps five elements as they are.

Student: Do they keep them in cow dung?

Baba: Cow dung is also believed to be pure.

Student: Are people saved by that?

Baba: Yes……

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info